रघुवर संग जनक लली झुलनवा झूल रही

रघुवर संग जनक लली झुलनवा झूल रही
रघुवर संग जनक लली झुलनवा झूल रही

मणियन जड़ित हिलोडें आली 2
मनहर डोर विविध रंग वाली 2
लगी बिच बिच सुमन कली,, झुलनवा झूम रहीं 2
रघुवर संग जनक लली झुलनवा झूम रही

श्याम घटा छाई मनुहारी 2
त्रिबिधि सुगंधित बहत बयारी 2
कोयल मृद कूक भली ... झुलनवा झूल रही 2
रघुवर संग जनक लली झुलनवा झूल रही

नभ चढ़ देव सुमन बरसाये 2
झूलन छवि लखि वलि वलि जायें 2
सब जय जय करहीं भली... झुलनवा झूल रही 2
रघुवर संग जनक लली झुलनवा झूल रही

हर्षित तुमहु लखहु छवि बांकी 2
झूलन झांकी, राम सिया की 2
दृग पथ हिय उतर चली ... झुलनवा झूल रही 2
रघुवर संग जनक लली झुलनवा झूल रही

भरत कुमार भारत

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35211/title/raghuvar-sang-janak-lali-jhulnwa-jhool-rahi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |